राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

महामहिम राज्यपाल ने बिहार संग्रहालय का परिभ्रमण कर उसकी विभिन्न दीर्घाओं का अवलोकन किया

पटना, 12 जनवरी 2020

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने आज पहली बार बिहार संग्रहालय का परिभ्रमण किया और इसकी विभिन्न दीर्घाओं का अवलोकन किया। राज्यपाल के साथ पूर्व मुख्य सचिव–सह–बिहार संग्रहालय की सलाहकार समिति के अध्यक्ष श्री अंजनी कुमार सिंह, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, कला–संस्कृति एवं युवा विभाग के प्रधान सचिव श्री रवि परमार, बिहार संग्रहालय के निदेशक श्री दीपक आनंद, बिहार संग्रहालय के सीनियर रेजिडेंट इंजीनियर श्री एम॰एस॰ याहिया, राज्यपाल के परिसहाय मेजर हिमांशु तिवारी, बिहार संग्रहालय के प्रभारी अभियंता श्री विनोद चौधरी आदि ने भी बिहार संग्रहालय का अवलोकन किया।

परिभ्रमण के दौरान संग्रहालयाध्यक्ष मोमिता घोष, रणवीर सिंह राजपूत आदि ने महामहिम राज्यपाल को बिहार संग्रहालय की विभिन्न दीर्घाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी एवं इसके विभिन्न प्रदर्शों के बारे में बताया।

राज्यपाल श्री चौहान ने सर्वप्रथम बिहार संग्रहालय में बिहार की ऐतिहासिक–सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक विरासत पर बनी फिल्म का अवलोकन किया। राज्यपाल ने सर्वप्रथम 'इतिहास दीर्घा' में मौर्यकालीन, गुप्तकालीन, पाल–कालीन एवं मुगल सल्तनत आदि से जुड़ी ऐतिहासिक विरासतों एवं प्रदर्शों को देखा। राज्यपाल ने बिहार संग्रहालय में दीदारगंज की यक्षी में समाहित मूर्तिकला की भूरि–भूरि प्रशंसा की और इसकी जीवंतता को अद्‌भुत बताया। उन्होंने गांधार शैली में बोधिसत्व, 'लेडीविथ पैरॉट' एवं द्वितीय लार्जेस्ट स्टैंडिंग बुद्धा (कांस्य निर्मित) को भी अद्‌भुत बताया एवं इन्हें बिहार संग्रहालय की विशिष्ट धरोहर माना। राज्यपाल ने 'टेराकोटा' कला–शैली के विभिन्न कला–प्रदर्शों को भी अतुलनीय सौन्दर्य–बोध का प्रतीक बताया। राज्यपाल ने धर्मचक्र–प्रवर्तन–मुद्रा में बैठे काले पत्थर के बने भगवान बुद्ध की प्रतिमा को भी इस संग्रहालय का अनमोल प्रदर्श बताया।

राज्यपाल ने बिहार की लोक कला एवं संस्कृति तथा समकालीन कला से जुड़ी कलादीर्घाओं की भी प्रशंसा की तथा 'बाल–दीर्घा' को भी बच्चों के लिए बेहद मनोरंजक एवं कौतूहलदायी बताया। राज्यपाल को यहाँ टिकुली चित्रकला, मोना सिक्का आर्ट, मंजूषा कला आदि से जुड़े विभिन्न प्रदर्श दिखाये गये। राज्यपाल ने 'बिहार संतति दीर्घा' का भी परिभ्रमण किया तथा मॉरिशस, फीजी आदि देशों में 'गिरमिटिया मजदूर' रूप में गए बिहार के पूर्वजों की कथाओं आदि में विशेष अभिरूचि दिखाई।

राज्यपाल ने बिहार संग्रहालय के परिभ्रमण के पश्चात् इसके 'विजिटर्स बुक' पर भी अपने हस्ताक्षर करते हुए लिखा कि– ''बिहार संग्रहालय अद्‌भुत और गौरवशाली है।'' बिहार संग्रहालय सलाहकार समिति के अध्यक्ष श्री अंजनी कुमार सिंह ने राज्यपाल के बिहार संग्रहालय के परिभ्रमण हेतु उनके प्रति आभार व्यक्त किया एवं उन्हें सादर स्मृति–चिह्न भी भेंट किया।

.....